18 शेरशाह का मकबरा

''वह देखो! बस आ रही है,'' हेडमास्टर साहब ने कहा। सभी बच्चे सड़क की ओर निहारने लगे। कुछ ही क्षणों में बस विद्यालय के निकट आ गई। बच्चे मारे खुशी के शोर मचाने लगे, "बस आ गई, बस आ गई।''

''अब बस भी करो'' हेडमास्टर साहब ने बच्चों से कहा।

बच्चे शांत हो गए परन्तु उनके चेहरे पर खुशी की चमक और उत्सुक्ता की लहर साफ दिखाई दे रही थी। वह सभी शेरशाह के मकबरे की सैर के लिए व्याकुल हो रहे थे। इतने में आशा मैडम बच्चों के पास आकर बोलीं ''सभी बच्चे लाईन में खड़े होकर एक-एक करके बस के अंदर जाएँ और अपनी सीट लेकर बैठ जाएँ।'' थोड़ी ही देर में सभी बच्चे बस पर सवार हो गए। हेडमास्टर साहब ने आशा मैडम के अतिरिक्त महिमा मैडम और पूर्णनाथ सर को भी बच्चों के साथ जाने को कहा। बच्चे पूर्णनाथ सर के जाने से बहुत अधिक खुश थे क्योंकि इनसे इतिहास पढ़ने में बच्चों को बहुत आनन्द आता था।

दिन के दस बज रहे थे। अक्टूबर का महीना था। मौसम बहुत सुहाना था। धूप बहुत भली लग रही थी। गाड़ी के खलासी ने बस का गेट बंद किया और ड्राइवर को गाड़ी बढ़ाने को कहा। देखते ही देखते बस मेनरोड पर आ गई। काली-काली सड़क पर बस हार्न बजाते हुए तेजी से आगे बढ़ने लगी।

''शेरशाह के बारे में कुछ बताइए सर'' सूरज ने आग्रह किया। पूर्णनाथ सर ने कहा-''आप ध्यान से सुनें, बताता हूँ। उन्होंने कहना शुरू किया- ''शेरशाह भारत के महान शासकों में एक थे।

© BSTBPC WEBCOPY NOT TO BE PUBLISHED

इनका जन्म 1472 में हुआ। इनका बचपन सासाराम में बीता। इनके बचपन का नाम फरीद खाँ था। यह हसन खाँ सूरी के पुत्र थे। हसन खाँ एक बड़े जागीरदार थे। फरीद ने अकेले एक शेर को मार दिया था तबसे यह शेर खाँ कहलाने लगे थे। वे बहुत विद्वान, बहादुर और बुद्धिमान व्यक्ति थे। इनका सारा जीवन संघर्ष में बीता। कम उम्र से ही वह पिता की जागीर की देखभाल करने लगे। इन्होंने बाबर की सेना में नौकरी भी की थी। वे बहुत अनुभवी व्यक्ति थे।

''सर, वे बादशाह कैसे बन गये'' सुमन ने जानना चाहा।

शेरशाह ने मुगल बादशाह हुमायूँ को पराजित कर के दिल्ली की गद्दी पर कब्जा कर लिया और सूरीवंश की स्थापना की।

''शेरशाह बहुत जवान होंगे तब न उन्होंने बादशाह हुमायूँ को हरा दिया'' रामिश ने कहा।

''नहीं, वह जवान नहीं थे, उनकी आयु 68 वर्ष की थी। जीतने के लिए हिम्मत और साहस की आवश्यकता होती है। तुम्हें यह जानना चाहिए कि उनकी सेना में ज्यादातर सिपाही बिहार के थे।'' पूर्णनाथ सर ने कहा।

संजू ने जानना चाहा ''यह लड़ाई कब और कहाँ हुई थी सर।''

''सन् 1540 ई. में कन्नौज में'' सर ने उत्तर दिया।

''सर उनके पास तो बहुत सारा रुपया पैसा था। वह बहुत आराम से रहते होंगे'' उन्हें कोई चिन्ता नहीं होगी'' नटखट राजू को जानने की जिज्ञासा हुई।

पूर्णनाथ सर ने कहा ''नहीं ऐसी बात नहीं है। इन्हें अपनी जनता की बहुत चिन्ता थी। वह केवल पाँच वर्ष ही शासन कर सके परन्तु उन्होंने जनता की सेवा के लिए बहुत सारे कल्याणकारी कार्य किए। सड़कें बनवाईं, सड़कों के किनारे यात्रियों के ठहरने के लिए जगह-जगह पर सराय बनवाई, जगह-जगह कुएँ खुदवाए। सड़कों के किनारे वृक्ष लगवाए। उन्होंने डाक और संचार की व्यवस्था में सुधार किए। विभिन्न क्षेत्रों में बहुत सारे सुधार किए जिसे बाद के राजाओं ने भी अपनाया। राजस्व व लगान की व्यवस्था में उन्होंने महत्वपूर्ण सुधार किए जिससे किसानों को लाभ हुआ। किसानों को बहुत आसानी से ऋण दिया जाता था। जनता खुश थी इसलिए कि यह न्याय प्रिय बादशाह थे।''

Abdiel Solutions
Empowering Technologies

अब बस एक बहुत चौड़ी सड़क पर आ गई। पूर्णनाथ सर ने बताया ''यह सड़क ग्रैण्ड ट्रंक रोड के नाम से जानी जाती है। यह कोलकाता से पेशावर (पाकिस्तान) तक जाती है। इस सड़क को भी शेरशाह ने ही बनवाया था। यह उनका महान योगदान था। अब कुछ ही समय में बस सासाराम पहुँच गई। शहर में पहुँच कर बच्चों की उत्सुकता और बढ़ गई। शहर की सड़कों से गुजरती हुई बस एक बहुत बड़े तालाब के किनारे आकर रुक गई। लो आ गया शेरशाह का मकबरा'' पूर्णनाथ सर ने कहा।

आशा और महिमा मैडम ने बच्चों को आराम से उतर जाने को कहा।

जमाली ने कहा ''बाप रे बाप'' इतना बड़ा और इतना सुन्दर।'' सभी बच्चे भी इसकी सुन्दरता को देखकर चकित हो गए।

शिक्षकों ने सभी बच्चों को एक साथ जमा हो जाने को कहा, सभी बच्चे एक जगह जमा हो गए।

पूर्णनाथ सर ने फिर बताना शुरू किया। देखिए। यह मकबरा पर जाने का मुख्य द्वार है, इसके दोनों ओर मस्जिद हैं।

बच्चों को पानी के बीच भवन देखकर बहुत आश्चर्य हुआ। ''मकबरे का निर्माण किसने करवाया?'' बच्चों ने जानने की इच्छा व्यक्त की। पूर्णनाथ सर ने कहा ''1545 ई. में कालिंजर के किले की घेराबंदी के समय एक विस्फोट में शेरशाह के देहांत के उपरांत उनके पुत्र और उत्तराधिकारी इसलाम शाह सूरी ने इस मकबरे को बनवाया। मकबरे को बनाने के लिए एक बहुत बड़ा तालाब खुदवाया गया ताकि मकबरा और सुन्दर दिखाई दे। विशेष देखने की बात यह है कि यह मकबरा भवन एक ऊँचे चौकोर चबूतरे पर बनाया गया है।'' सर ने बच्चों से जानना चाहा कि वे देखकर बताएँ मकबरा किस चीज से बना है।

सभी बच्चों ने कहा, ''पत्थर से।''

''कितनी भुजाओं वाला है यह?'' ''आठ,'' सभी ने एक साथ कहा।

''इसकी कितनी मंजिलें हैं?''

''तीन,'' सभी ने जोरों से कहा।

''कितना ऊँचा होगा यह मकबरा?''

© BSTBPC WELCOPY NOT TO BE PUBLISHED

Abdiel Solutions Empowering Technologies

''पता नहीं सर'' आप बता दीजिए।

''45 मीटर से ऊँचा है'' सर ने कहा।

''इसका गुम्बद कितना बड़ा होगा।''

''बहुत बड़ा'' बच्चों ने कहा।

''बच्चों आप को पता होना चाहिए इसका गुंबद ताजमहल के गुंबद से 13 फुट बड़ा है।''

सर ने बताया कि ''यह मकबरा अफगान शैली का बेहतरीन नमूना है।''

सभी बच्चे और शिक्षकगण मकबरे के बीच वाले भाग में पहुँच गए। यहाँ खूब रोशनी और हवा आ रही थी। मकबरे के ऊपरी भाग में कई खिड़कियाँ और जालियाँ थीं।

सर ने बच्चों से कहा ''इस मकबरे में शेरशाह सूरी के अतिरिक्त उनके चौबीस साथी दफन हैं।''

अफगान शैली की इस वास्तुकला (स्थापत्य कला) को देखकर बच्चे बहुत आनन्दित हो रहे थे। मकबरे के हर ओर से पानी में जाने के लिए सीढ़ियाँ हैं। बच्चे नीचे जाना चाह रहे थे पर दोनों ने हाथ पकड़कर रोक लिया।

कुछ बच्चे मकबरे की दीवारों पर लोगों द्वारा लिखे गये नामों और वाक्यों को पढ़ रहे थे। सर ने बच्चों को बताया कि जो लोग ऐतिहासिक धरोहर के महत्व को नहीं जानते वैसे लोग ही ऐसी गंदी हरकतें करते हैं।

पुरू ने कहा ''सर झील का पानी बहुत गंदा दिखाई दे रहा है।'' हाँ आपने सही कहा, लोग गंदा पानी इसमें गिरा देते हैं। परन्तु अब जिला प्रशासन ने गन्दे पानी गिराने पर पूर्णत: रोक लगा दिया है। अब यह मकबरा हमारे देश के ऐतिहासिक धरोहरों की सूची में आ गया है। हमारी राज्य सरकार भी इस मकबरे के रख-रखाव पर हर वर्ष लाखों रुपये खर्च करती है। पूर्णनाथ सर ने बच्चों से जानना चाहा कि इसे साफ रखने की दायित्व किस पर है। सभी बच्चों ने एक स्वर में कहा ''हम सभी नागरिकों पर।''

अब ढाई बज चुके थे। सभी को भूख लग गई थी। सभी ने एक साथ खाना खाया। पीछे मुड़कर एक बार फिर मकबरे की ओर देखा और बस पर सवार हो गए।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

शब्दार्थ :

मकबरा – वह कब्र जिस पर इमारत या गुम्बद हो।

जागीर – पुरस्कार स्वरूप राजाओं-महाराजाओं द्वारा दी गई जमीन

दफन – जमीन में गाड़ना, मृत शरीर का कब्र में दफन होना।

ऐतिहासिक धरोहर– इतिहास सम्बन्धी अमानत

उत्सुकता – प्रबल इच्छा

प्रश्न-अभ्यास

पाठ से-

1. शेरशाह ने जनहित के लिए कौन-कौन से कार्य किए?
2. शेरशाह के मकबरे की क्या विशेषता है?
3. शेरशाह का बिहार से क्या सम्बंध है?
4. **स्तंभ 'क' का स्तंभ 'ख' से मिलान कीजिए-**

'क'	'ख'
शेरशाह का जन्म	इसलाम शाह सूरी
शेरशाह के पिता	1545
कन्नौज में हुमायूँ से युद्ध	1472
शेरशाह की मृत्यु	हसन खाँ सूरी
शेरशाह का पुत्र	1540

5. **रिक्त स्थानों को भरिए-**

(क) ग्रैंड ट्रंक रोड ..... से ..... तक जाती है।

(ख) हुमायूँ से युद्ध के समय शेरशाह की उम्र ..... थी।

(ग) शेरशाह का मकबरा ..... में है।

(घ) शेरशाह के बचपन का नाम ..... था।

(ङ) यह मकबरा ..... शैली का बेहतरीन नमूना है।

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

पाठ से आगे-

1. अगर आपको कहीं का राजा बना दिया जाए तो आप आम-जनता के लिए क्या करना चाहेंगे?
2. केवल पाँच वर्षों के शासनकाल में शेरशाह ने बहुत सारे कार्य किए। कैसे? सोचकर बताइए ।
3. अधिक उम्र होने के बावजूद शेरशाह ने हुमायूँ को पराजित किया। सोचिए वह ऐसा कैसे कर पाया?
4. ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?

व्याकरण

1. निम्नलिखित संज्ञाओं के प्रकार बताइए।

बदशाह, हुमायूँ, सेना, बुढ़ापा, पानी, बचपन, बच्चे, बस, सड़क, ताजमहल

2. निम्नलिखित सर्वनामों के प्रकार बताइए।

यह, सभी, इतने, कुछ, अपने-आप, जैसे-जैसे, कौन, तुमने, कहाँ, कब

3. शब्द-समूहों को व्यवस्थित कर वाक्य पूरा कीजिए।

(क) एक अब सड़क बस बहुत गई आ पर चौड़ी।

.....

(ख) जाएँ सीट अपनी बैठ लेकर।

.....

(ग) थे ढाई चुके अब बज।

.....

(घ) सभी खाया साथ एक खाना ने।

.....

(ङ) यह ऊँचा होगा मकबरा कितना?

.....

© BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

4. पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पुत्र

वृक्ष

विद्यालय

शिक्षक

सराय

5. प्रत्येक पंक्ति में एक शब्द बाकी शब्दों से मेल नहीं खाता है, उस शब्द पर गोला लगाइए।

(क)	कोलकाता,	पेशावर,	कन्नौज,	सिपाही
(ख)	शेरशाह,	हुमायूँ,	प्रधानाध्यापक,	बाबर
(ग)	मकबरा,	ड्राइवर	खलासी	कंडक्टर
(घ)	झील	सरकार	नदी	समुद्र

कुछ करने को-

1. शेरशाह से संबंधित जानकारियाँ एकत्रित कीजिए और एक आलेख तैयार कीजिए।
2. हमारे देश में शेरशाह के मकबरा के अलावा और किन-किन बादशाहों के मकबरे हैं और वह कहाँ हैं? पता करके सूची बनाइए।
3. अपने प्रधानाध्यापक या वर्ग शिक्षक से मिलकर किसी ऐतिहासिक स्थल को देखने का कार्यक्रम तैयार कीजिए।

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED